नगर निगम शिमला

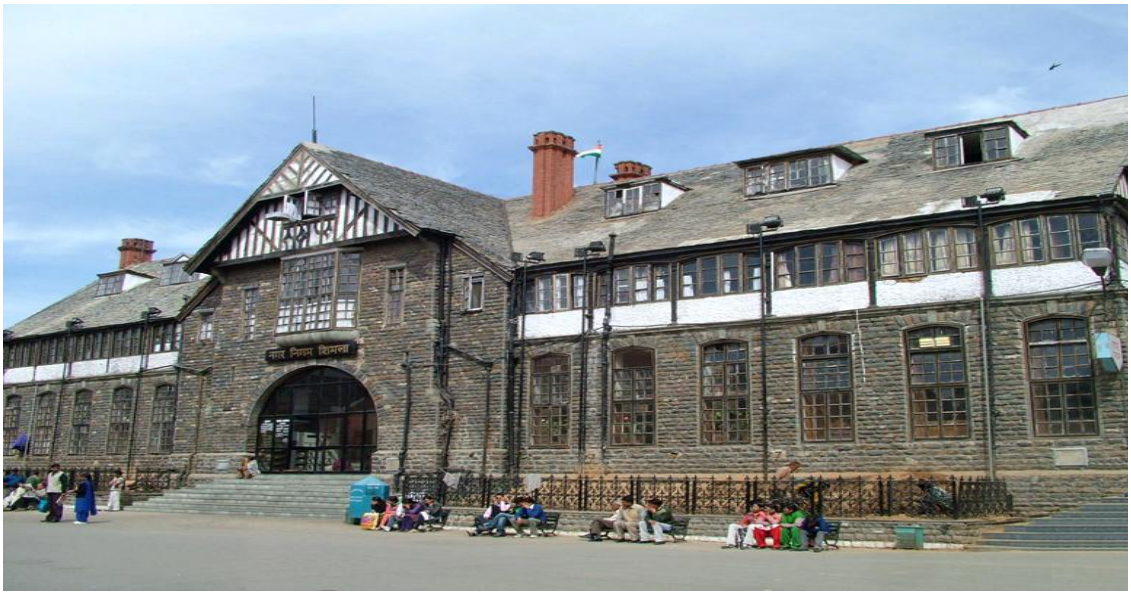

संजय चौहान

महापौर

का

वर्ष 2017-2018 की बजट बैठक पर

भाषण

22 फरवरी, 2017

अनुक्रमणिका

क0स0	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	बजट अभिभाषण	3–6
2.	निगम की वित्तीय स्थिति	6–7
3.	निगम कर्मचारी हित	7–8
4.	सम्पति कर	9
5.	जल विभाग	9–11
6.	मल निकासी विभाग	12–13
7.	मार्ग एवं भवन विभाग	13–20
8.	स्वास्थ्य विभाग	20–25
9.	सम्पदा विभाग	25–26
10.	वास्तुक विभाग	26
11.	निगम परियोजनाएं	26–32
12.	शहरी गरीब के लिए परियोजनाएं	33–34
13.	ई0 गर्वनेस प्रोजैक्ट	34–35
14.	वन विभाग	35
15.	प्राप्त सहायता अनुदान	36–37
16.	विकासात्मक गतिविधियों के लिए बजट अनुमानों का विवरण	38
17.	नगर निगम शिमला के वर्ष 2017–18 के बजट अनुमान	39–42

बजट अभिभाषण 2017–18

सम्माननीय्

सर्वप्रथम मैं उप–महापौर, समस्त पार्षदगण, सहयोगी पार्षद (मान्य विधायक),आयुक्त, अतिरिक्त आयुक्त, संयुक्त आयुक्त व अन्य उपस्थित सभी अधिकारियो व कर्मचारियो तथा प्रैस के उपस्थित साथियों का वर्ष 2017–18 के बजट बारे हो रही इस 'विशेष बैठक' में स्वागत करता हूँ।

माननीय सदस्यगणों को जैसेकि विदित ही है कि हमारी इस छठवीं निर्वाचित नगर निगम के कार्यकाल का पॉचवा बजट प्रस्तुतीकरण है। इस छठवीं निर्वाचित नगर निगम का पॉच वर्ष का कार्यकाल भी 5 जून, 2017 को पूरा होने जा रहा है। इस कार्यकाल में नगर निगम के निरन्तर प्रयास रहे है कि शहर की जनता को उचित मात्रा में मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाई जाये और शहर का विकास निरन्तर होता रहे। शिमला जोकि एक ऐतिहासिक शहर है व इसके ऐतिहासिक गौरव को बनाने और शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाये रखने के लिए हम सभी प्रयासरत है। पॉच वर्ष के इस कार्यकाल में जब हम नगर निगम में निर्वाचित होकर आए तो उस समय नगर निगम की वित्तीय स्थिति बेहद नाजुक थी, परन्तु इसके बावजूद भी हम सभी ने ऐसी कोई गम्भीर स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी, जिससे शहर के विकास व शहरवासियों को मूलभूत सुविधाए जुटाने में कोई दिक्कत आई हो और सभी के भरसक प्रयासों से आज नगर निगम शिमला की वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है और आत्म निर्भर होने जा रहा है।

शहर के बढ़ते हुए शहरीकरण, बढ़ती हुई जनसख्या व पटर्यकों के आवागमन के दृष्टिगत नगर निगम शिमला के दायित्व व जिम्मेवारियो का निरन्तर विस्तार हो रहा है।

सीमित संसाधनों व कर्मचारियों की कमी के बावजूद भी निगम की यही कोशिश रहती है कि शिमला शहर के नागरिकों को उनकी

आकांक्षाओं के अनुरूप नागरिक सुविधायें जुटाई जाये और नगर निगम के प्रत्येक वार्ड में एक समान विकास कार्य होते रहे। परन्तु अभी भी शहर में मूलभूत सुविधाओं में विस्तार की आवश्यकता है।

शिमला शहर की जनता के सहयोग से व उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप शिमला शहर को 'स्मार्ट सिटी' की फैहरिस्त में सम्मिलित करने के लिए नगर निगम शिमला ने जो संघर्ष किया था उसमें सफलता हासिल कर शिमला को 'स्मार्ट सिटी' की सूची में सम्मिलित किया गया। शहर के शहरवासी 31 मार्च, 2017 तक शिमला शहर को 'स्मार्ट सिटी' बनाने के लिए भरपूर सहयोग प्रदान कर रहें है। नगर निगम शिमला को प्रदेश सरकार से भी सहयोग की अपेक्षा है व पुरजोर मांग करता है कि प्रदश सरकार वर्ष 2017–18 के बजट में शिमला शहर को स्मार्ट सिटी हेतू राशि रू. 500 करोड़ का प्रावधान कर अपने दायित्व का निर्वाहन करे।

जैसेकि विदित ही है कि स्थानीय निकायों को शहरवासियों को रोजमर्रा की आवश्यक मूलभूत सुविधाऐं व विकास कार्यो को करवाने हेतु स्थायी स्टाफ की आवश्यकता रहती है, जबकि नगर निगम शिमला में स्टाफ की बहुत कमी हो गई है और हर वर्ष कर्मचारियो की सेवानिवृति होने से प्रशासनिक व रोजमर्रा के कार्य करवाने में नगर निगम को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। हमारा पदेश सरकार से आग्रह रहेगा कि नगर निगम शिमला के कार्य क्षेत्र बढ़ने के दृष्टिगत व रोजमर्रा के कार्य करवाने के लिए विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए रिक्त पड़े पदो व अतिरिक्त पदों को भरने की स्वीकृति शीघ्र प्रदान करें।

शहर में पेयजल की बढती माँग व सीवरेज व्यवस्था को सुचारू करने हेतू नगर निगम शिमला के प्रयास से ग्रेटर शिमला वाटर सप्लाई व सीवरेज सर्किल (GSWSSC) का गठन किया गया तथा इसका संचालन भी नगर निगम द्वारा ही करने का निर्णय लिया गया। प्रदेश सरकार के सिंचाई

एव जन स्वास्थ्य विभाग, शहरी विकास विभाग व नगर निगम शिमला के मध्य समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है। इसके गठन से विभिन्न विभागों में आ रही समन्वय की कमी को दूर किया जाएगा व नगर निगम को शहर में पेयजल व सीवरेज की व्यवस्था को सुचारू करने के दायित्व के निर्वाहन में सरलता होगी।

शहर को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से विकास के पथ पर चलाने के लिए अन्तराष्ट्रीय संगठन ARUP की सहायता से City Resilience Index बनाया गया है। जिसका उल्लेख संयुक्त राष्ट्र के HABITAT III में किया गया है। इससे भविष्य में शहर की विकास की योजनाओं में भरपूर सहायता प्राप्त होगी और शहर की कमजोरियों व ताकत को पहचानने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त इसे शहरी विकास योजना में भी शामिल किया जाएगा।

शिमला शहर की Hazard Risk Vulnerability Assessment TARU के द्वारा करवाई गई है जिससे शहर में व्यापक तौर पर विभिन्न प्रकार की आपदाओं जैसे भूकम्प, प्राकृतिक व अन्य आपदाओ से पैदा होने वाली विप्पतियो का मुल्यांकन अत्यन्त वैज्ञानिक तरीके से किया गया है। इससे भविष्य में शहर को आपदाओ से कैसे निपटा जाए के लिए मदद मिलेगी व इसके लिए तैयार रहने की क्षमता में बढ़त मिलेगी।

शिमला शहर को देश के बहुत ही कम शहरों में Green House Gases Emission Inventory को बनाने का गौरव भी प्राप्त हुआ है। इससे शहर में विभिन्न प्रकार की ग्रीन हाउस गैसीज से हो रहा जलवायु परिवर्तन का आंकलन किया गया है। साथ ही Green Growth Strategy पर अमल करने से शहर में उत्पन्न हो रही गैसीज को कम करने में मदद मिलेगी तथा शिमला शहर की जलवायु परिवर्तन के जोखिम को कम करने की दिशा में सहायक सिद्ध होगी।

प्रदेश की राजधानी की गरिमा और गौरव बनाये रखना व इसे स्वच्छ–सुन्दर, प्रदुषण मुक्त तथा विकासशील बनाये रखना हम सबका संयुक्त कर्तव्य बनता है। मैं सभी माननीय सदस्यों का धन्यवाद करना चाहुँगा कि जिन्होंने अपने–अपने वार्डो में नागरिकों को नागरिक सुविधाऐं, विकास कार्यो व अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन में अपना दायित्व का निर्वाहन किया है। विकास की कोई सीमा नहीं होती तथा विकास में निरन्तरता भी आवश्यक है।

इस वित्तीय वर्ष में अभी तक 10 साधारण बैठकें, 13 साधारण कृत्यकारक समिति की बैठकें, 14 वित्त, संविदा और योजना समिति की बैठकें, 10 सामाजिक एवं न्याय समिति की बैठकें तथा 5 विशेष बैठकें आयोजित की गई। इन बैठकों में शिमला शहर के विकास तथा शहरवासियो को मूलभूत सुविधायें उपलब्ध करवाने के उदेश्य से अनेक प्रस्ताव/सुझाव पर विचार–विमर्श कर जनहित में निर्णय लिये गये। इसके अतिरिक्त समय–समय पर शिमला शहर के रजीडेण्ट वैल्फेयर सोसायटी,जन कल्याण संस्थाओं व शहरवासियों से भी नगर निगम को बहुमूल्य सुझाव व मार्ग–दर्शन मिलता रहा है जिसके लिए हम उनके भी आभारी है।

प्रस्तावित बजट में शिमला शहर के विकास कार्य, उपलब्धियॉ व जनहित में शहरवासियों को रोजमर्रा की मूलभूत सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए जो प्रावधान रखे गये है,उनका मैं संक्षिप्त वर्णन करना चाहूँगाः–

1. निगम की वित्तीय स्थिति :

नगर निगम शिमला को इस वित्त वर्ष में सम्पति करों व निगम के विभिन्न आय के स्त्रोतों से भी अपेक्षित आय प्राप्त हुई है। इसके अतिरिक्त नगर निगम के सुचारू प्रयासों से भारत सरकार के माध्यम से अमृत मिशन में सैप के तहत आगामी वर्षो के लिए शिमला शहर के लिए

पानी, सीवरेज, ट्रॉसपोटेशन, पार्किगं व सड़कों इत्यादि कार्य हेतू रू. 238.44 करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है। जिसमें से निगम को रू. 39.96 करोड़ की राशि प्राप्त हो चुकी है। नगर निगम शिमला अपनी क्षमता अनुसार शहर का चहुमुखी विकास करने और शहरवासियों को उनकी आकांक्षाओं के अनुरूप मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए हमेशा तत्पर है। गत चालू वित्तीय वर्ष में 31.12.2016 तक निगम के आय स्त्रोतों से 5687.52 लाख रूपये और राज्य वित्त आयोग की सिफारिशां के अनुरूप 2365.83 लाख रूपये Development Grant सहित कुल राशि 8053.35 लाख रूपये की राजस्व आय और विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत अनुदान से राशि 3498.69 लाख रूपये की पूॅजीगत आय अर्थात कुल आय राशि 11552.04 लाख रूपये की प्राप्ति हुई है। जबकि इस चालू वित्त वर्ष में 31.12.2016 तक निगम का कुल व्यय राशि 8192.58 लाख रूपये हुआ है।

2. निगम कर्मचारी हित :

- इस चालू वित्त वर्ष में नगर निगम शिमला द्वारा निगम में कर्मचारियों की सेवाओं सम्बन्धी मामलों के निपटारे हेतू प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों के भर्ती एवं पदोन्नति नियम अपनाए गए । निगम में कार्यरत विभिन्न श्रेणियों में 72 कर्मचारियों की पदोन्नति/पदस्थापना को गई। इसके अतिरिक्त निगम के मार्ग एवं भवन विभाग, जल वितरण एवं मल निकास विभाग व निगम स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत मजदूरों के मामलो में 8,9,10 वर्ष का दैनिक भोगी के रूप में कार्यकाल पूर्ण दैनिक भोगी मजदूरों को पूर्व प्रभाव सहित नियत तिथि से 154 कर्मचारियों की सेवाओं से सम्बन्धित नियमितिकरण के मामलों का निपटारा किया गया। इसके साथ ही नगर निगम द्वारा 14 मजदूरों व 2 अनुबन्ध कर्मचारियों की सेवाओं का नियमितिकरण किया गया तथा एक सफाई कर्मचारी की नियुक्ति दैनिक पद पर अनुकम्पा के आधार पर की गई।

- इस चालू वर्ष में निगम के प्रत्येक कमचारी को प्रोत्साहन राशि (Bonus) के रूप में 1000/– रू. की राशि दी जा रही है,क्योंकि निगम के कर्मचारियों ने कर्मचारियों की कमी होने के बावजूद भी नगर निगम के कार्यो को अपनी मेहनत व लग्न से निष्पादित किया है और कर रहे है।

- इसके अतिरिक्त निगम द्वारा विभिन्न श्रेणियों के अतिरिक्त 733 पदों को भरने व 214 रिक्त पड़े पदों को तुरन्त भरने की स्वीकृति हेतू प्रदेश सरकार से मामला उठाया गया है। जिसमें अधिकतर पद मजदूरो व सफाई कर्मचारियों के भरने की प्रस्तावना है, जिसके लिए आगामी वित्त वर्ष में 18 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।

- सातवें वेतन आयोग को ध्यान में रखते हुए निगम कर्मचारियों को मिलने वाले लाभ हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए प्रावधान रखा गया है।

- सेवाकाल के दौरान जिन कर्मचारियों का निधन हुआ है उनके परिवार के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर जितने भी मामले है सभी को भरा जाएगा।

- इसके अतिरिक्त निगम कर्मचारियों के स्वास्थ्य की सामान्य जॉच के लिए इन्दिरा गॉधी मेडिकल कालेज शिमला से समन्वय स्थापित करके कर्मचारियो को क्रमवार सामान्य स्वास्थ्य जॉच के लिए केम्प आयोजित करने की प्रस्तावना है।

- निगम कर्मचारी कल्याण निधि के तहत इस चालू वर्ष में जिन 5 निगम कर्मचारियों की सेवाकाल के दौरान निधन हो गया था उनके परिवारजनों को 25–25 हजार रूपये की तुरन्त सहायता राशि उपलब्ध करवाई गई।

- सब्जी मण्डी (सूजी लाईन) में विद्यमान निगम आवासों के साथ खाली पड़ी भूमि पर टाईप. II के तीन ब्लाक में 24 आवास बनाना प्रस्तावित है। जिसके लिए राशि रूपये 2 करोड़ 26 लाख 63 हजार का बजट प्रावधान किया गया है और शीघ्र ही इसके लिए निविदाएं आंमत्रित की जा रही हैं।

3. सम्पति कर :

- इस चालू वित्त वर्ष में सम्पति कर जो कि नगर निगम की आय का मुख्य स्त्रोत है, के माध्यम से नगर निगम शिमला को राशि रूपये 13. 12 करोड़ की आय प्राप्त हो चुकी है और 31 मार्च, 2017 तक राशि 15 करोड़ रूपये की आय होने की सम्भावना है। इसके अतिरिक्त पिछले वित्त वर्ष की अपेक्षा वर्ष 2016–17 में सम्पति कर दाताओं की संख्या 24000 से बढ़कर 25500 हो चुकी है। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए सम्पति करों इत्यादि का भुगतान सुविधा केन्द्र, 16 लोक मित्र केन्द्रों व ऑन लाईन सुविधा के माध्यम से प्राप्त किया जा रहा है।

4. जल विभाग :

- शिमला शहर हेतू पानी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के दृष्टिगत वर्ल्ड बैंक की वित्तीय सहायता से सतलुज नदी पर बने कोलडैम से एक पेयजल परियोजना क कार्यान्वयन का कार्य प्रगति पर है। इस प्रस्तावित परियोजना का वर्ल्ड बैंक की टीम द्वारा आईडैन्टीफिकेशन मिशन किया जा चुका है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शिमला शहर में 24X7 मीटरड जलापूर्ति सुनिश्चित करना है तथा इस परियोजना की अनुमानित लागत 125 मिलियन यू0एस0 डॉलर आंकी गई है। जिसमें से 90 मिलियन यू0एस0डॉलर वर्ल्ड बैंक तथा 30 मिलियिन यू0एस0 डॉलर राशि केन्द्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा वहन की जानी है। इससे शिमला शहर को 65 एम0एल0डी0 अतिरिक्त जलापूर्ति प्राप्त होगी तथा वर्तमान में पानी उत्पादन कीमत 80/–रू. प्रति किलो लीटर के स्थान पर 30/– रू. प्रति किलो लीटर उत्पादन कीमत पर उपलब्ध होगा। इस प्रस्तावित परियोजना की

अन्तिम स्वीकृति नवम्बर,2017 तक प्राप्त होने की सम्भावना है। वर्ल्ड बैंक मिशन के तहत नगर निगम शिमला ने **Non-revenue Water** का अध्ययन **(Study) M/S Wapcos** को अवार्ड कर दी गई तथा 3 डेमो जोन जिसमें 24 घण्टें पानी का प्रावधान करने के लिए वर्ल्ड बैंक के मानको के आधार पर निविदाएं आमंत्रित की जा रही है।

- इस चालू वित्त वर्ष में पानी के बिलों से 31.12.2016 तक राशि रू0 14 करोड़ 71 लाख की आय प्राप्त हुई है और इस वित्त वर्ष के अन्त तक यह आय बढ़कर लगभग राशि रूपये 20 करोड़ तक होने का लक्ष्य है। आगामी वित्त वर्ष में यह राशि बढ़कर रूपये 22 करोड़ तक होने का अनुमान है।

- इस चालू वित्त वर्ष 2016–17 में निगम द्वारा 1039 नए पानी के कुनैक्शन प्रदान किए गए हैं, जिससे शहर में कुल 29,653 पानी के कुनैक्शन हो गए हैं।

- प्रत्येक शहरवासी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाने का अपना दायित्व निभाने हेतू नगर निगम ने बॉयलाज में संशोधन करके समस्त शहरवासियों को भवन की स्थिति पर विचार किए बिना पानी के कुनैक्शन उपलब्ध करवाना आरम्भ किया है।

- इस चालू वित्त वर्ष में शिमला शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त जलापूर्ति सुनिश्चित करने के दृष्टिगत पानी की लाईनों को बिछाने तथा सुधार हेतू लगभग राशि रूपये 51.93 लाख व्यय किए जा चुके है।

- इस चालू वित्त वर्ष में निगम द्वारा राशि रूपये 72 लाख की लागत से 8000 लीटर क्षमता के 2 नए टैंकर तथा 5000 लीटर क्षमता के 2 नए टैंकर खरीदे जा चुके है।

- शिमला शहर की पेयजल स्थिति व गुणवता में सुधार हेतू राशि रू0 4.01 करोड़ की लागत से ऊठाउ पेयजल योजना कोटी बांडी से एक पाईप लाईन बिछाई गई तथा ऊठाउ पेयजल योजना गिरी में राशि रू. 4.25 करोड़ की लागत से दो राईजिंग मैन लाईनों को बदलने का कार्य प्रगति पर है और अब तक 1700 मीटर लाईन बदल दी जा चुकी है तथा शेष कार्य फरवरी, 2017 के अन्त तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। जिससे शहर में जल की उपलब्धता व गुणवता में सुधार सुनिश्चित किया जा रहा है।

- चालू वित्त वर्ष में पेयजल की गुणवता को सुनिश्चित करने हेतू भेखल्टी, लम्बीधार, कैगनैनो, कसुम्पटी और अश्वनी खड्ड पम्पिग स्टैशनों में गैसियस क्लोरिनेटर स्थापित किए गए है तथा साथ ही सन्जौली, लम्बीधार, चौड़ा मैदान, समरहिल व कसुम्पटी में ऑटोमैटिक ऑनलाईन क्लौरिन सैन्सर स्थापित किए जा चुके है। इसके अतिरिक्त पानी की प्राप्ति बारे जानकारी प्राप्त करने हेतू मुख्य लाईनों में आगंतब्य (Inlet) स्थानों पर मीटर स्थापित भी किए गए है।

- अमृत मिशन के तहत राशि रू0 13.81 करोड़ की लागत से कैगनैनों से ढली तक 600 एम0एम0 व 450 एम0एम0 ब्यास की मुख्य लाईन तथा राशि रू0 2.69 करोड़ की लागत से सन्जौली से रिज तक 450 एम0एम0 ब्यास की लाईन को बदलने का कार्य शुरू किया जा रहा है।

- अमृत मिशत के तहत राशि 73.05 करोड़ की लागत से शिमला शहर की मांग के अनुरूप पानी की समुचित मात्रा सुनिश्चित करने हेतू विभिन्न विद्यमान पेयजल योजनाओं की पंम्पिग मशीनरी में सुधार, वर्तमान पानी उपचार सयंत्रों का सुधार, प्रत्येक वार्ड में बल्क वाटर मीटर लगाना, अश्वनो खड्ड राईजिंग मैन को बदलना, 7 नए पानी के भण्डारण टैंकों का निर्माण करना, नगर निगम के 25 वाडों में पानी के ए0टी0एम0 लगाना प्रस्तावित है।

- निगम द्वारा शिमला शहरवासियों के लिए ए0एम0आर0 (Autometic Meter Reading) मीटर लगाने की प्रस्तावना है और शीघ ही शिमला शहर में पानी के उपभोक्ताओं को रिडिंग के आधार पर पानी के बिल जारी किए जाएगे।

5. मल निकासी विभाग :

- वर्ष 2016–17 में नगर निगम शिमला द्वारा 2685 नए सीवरेज कुनैक्शन लगाए गए है, जिससे शहर में सीवरेज कुनैक्शनों की संख्या कुल 14339 हो गए है। जिन लोगों के पास अभी तक सीवरेज कुनैक्शन नहीं है,उन्हें सीवरेज कुनैक्शन उपलब्ध करवाने हेतू हिमाचल प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1994 के तहत उप–नियमों में संशोधन किया गया है और सरल बनाया गया है तथा सभी को सीवरेज कुनैक्शन देने का प्रावधान किया गया है।

- इस चालू वित्त वर्ष में सीवरेज की नई लाईनें बिछाने तथा सुधार हेतू राशि 1.70 करोड़ व्यय किए जा चुके है।

- इस चालू वित्त वर्ष में शिमला शहर में सीवरेज लाईनों के रख–रखाव हेतू 19 नए सीवरमेन भर्ती के लिए साक्षात्कार किए गए तथा इनकी भर्ती के आदेश जारी किए जा चुके है । इनकी भर्ती होने से शिमला शहर में जहॉ कहीं भी सीवरेज लाईन बन्द होगी तो उसे तुरन्त खुलवाया जाएगा और शहर मे गन्दगी फैलने से रोका जाएगा जिससे शहरवासियों को तुरन्त राहत मिलेगी।

- टूटू क्षेत्र के स्थानीय लोगों की सुविधा के लिए 26 करोड़ की लागत से सीवरेज ट्रीटमैंट प्लांट का निर्माण हेतू प्राकलन मुख्य अभियन्ता सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य विभाग को तकनीकी स्वीकृति हेतू भेजा गया था जिसकी तकनीकि स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा शीघ्र ही कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त टूटू क्षेत्र के कुछ भाग में

सीवरेज लाईन बिछाने हेतू राशि 1.12 करोड़ की लागत का प्राकलन स्वीकृत किया गया है तथा कार्य अवार्ड करने हेतू निविदाएं आमन्त्रित की जा चुकी है।

- अपर पंथाघाटी क्षेत्र के लिए सीवरेज लाईनें बिछाने हेतू राशि रूपये 2.46 करोड़ की लागत का प्राकलन स्वीकृत हो चुका है तथा इसके लिए निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त मेहली व लोअर पथांघाटी क्षेत्र के मल निकास के प्रबन्धन हेतू एस.टी.पी. के निर्माण हेत् लगभग राशि रूपये 10.00 करोड़ की लागत का प्राकलन स्वीकृत किया जा चुका है तथा इसके निर्माण हेतू स्थान चिहिन्त करने के लिए विभागीय कार्यवाही प्रगति पर है।

- इस चालू वर्ष में सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट के सुधार व रख–रखाव हेतू राशि 3.15 करोड़ रू. व्यय किए जा चुके है।

- अमृत मिशन के अर्न्तगत शिमला शहर में विभिन्न स्थानों पर सीवरेज की नई लाईन बिछाने, पुरानी सीवरेज लाईनों के रख–रखाव व सुधार हेतू राशि 20.00 करोड़ रूपये की लागत के प्राकलन स्वीकृत किए जा चुके है। इन सीवरेज लाईनों को बिछाने का कार्य प्रगति पर है जोकि शीघ्र ही पूरा करने का लक्ष्य है।

- इस चालू वर्ष में अमृत मिशन के तहत सीवरेज ट्रीटमेण्ट प्लांट के सुधार व रख–रखाव हेतू राशि रू. 9.80 करोड़ की लागत के प्राकलन स्वीकृत किए जा चुके है और कार्य प्राथमिकता पर किया जा रहा है।

6. मार्ग एवं भवन विभाग :

- इस चालू वर्ष में शिमला शहर के सभी वार्डो में पुरानी स्ट्रीट लाईटों को एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट में बदलने का कार्य प्रगति पर है और 7600 एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईटें लगाई जा चुकी है तथा 2400 एल.ई.डी. लाईटें लगाने का कार्य चल रहा है। जिसके साथ शहर में 526 नये

स्ट्रीट लाईट पोल लगाने का कार्य भी किया जा रहा है तथा इस कार्य को मार्च, 2017 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है। इन एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईटों की शिकायतों के निवारण हेतू टोल फ्रो नं 1800 123 7432 की सुविधा निगम द्वारा उपलब्ध करवाई गई है जिस पर शिमला शहरवासी अपनी स्ट्रीट लाईट से सम्बन्धित शिकायते दर्ज करवा सकते है।

- वर्ष 2016–17 में शिमला शहर में आई.एस.बी.टी., समरहिल, ताराहॉल, चलौंठी, लॉगवुड़, परिमहल, आई.पी.एच. वाटर टैंक कसुम्पटी, मल्याणा, संजौली टनल (समिट्री), टुटू में हाई मास्क लाईटों को लगाने का कार्य प्रगति पर है। इस कार्य के लिए हि0 प्र0 राज्य विद्युत बोर्ड लि0 को राशि रूपये 7,50,0773/– जारी कर दिए गए है तथा यह कार्य भी इस चालू वर्ष पूर्ण करने का लक्ष्य है।

- आगामी वित्त वर्ष 2017–18 में ढली चौक, ढली टनल चौक, ढिंगू मन्दिर, बालूगंज चौक, बैमलोई चौक, भट्ठा कुफर चौक, पंथाघाटी, फिंगास्क ईस्टेट, नजदीक आर्शिवाद होस्टल, तारा माता मन्दिर बी.सी. एस. में हाई मास्क लाईटें लगाने का कार्य प्रस्तावित है।

- वर्ष 2016–17 में शिमला शहर के स्ट्रीट लाईट के बिलों पर राशि रूपये 1 करोड़ 42 लाख व्यय की गई है। इसके अतिरिक्त स्ट्रीट लाईटों की मुरम्मत एवं रख–रखाव के लिए राशि रूपये 7 लाख 53 हजार तथा नये स्ट्रीट लाईट प्वाईट लगाने हेतू राशि रूपये 1 करोड़ 20 लाख विद्युत विभाग को जारी किये गये है।

- इस चालू वर्ष में शिमला शहर के विभिन्न वार्डो में स्लम एरिया में रहने वाले लागो को निगम द्वारा हिम उर्जा विभाग के माध्यम से 1200 सोलर होम लाईट उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त आगामी वित्त वर्ष में शिमला के कुछ सार्वजनिक शौचालय में आवश्यकतानुसार सोलर लाईट लगाने तथा संजौली में कामकाजी महिला होस्टल व लेबर होस्टल में सोलर गीजर लगाने की प्रस्तावना है।

- एशियन डवैल्पमेण्ट बैंक के सहयोग से माल रोड़ टाउन हाल भवन की छत पर सोलर पावर प्लांट लगाने की प्रस्तावना है। इसके अतिरिक्त रिज पर आशियाना के नीचे सोलर सिटि मिशन के तहत सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए औपचारिकताएं पूरी की जा रही है।

- आगामी वित्त वर्ष में लगभग रू. 1.00 करोड़ की लागत से सड़कों, सम्पर्क मार्गो, रास्तों का निर्माण एवं रख–रखाव इत्यादि प्रस्तावित है।

- आगामी वित्त वर्ष में शहर के विभिन्न वार्डो में सड़क पर तारकोल बिछाने के लिए राशि 6,23,89,171/–रू. की लागत के अनुमान पत्र बनाये गये है। जिसके लिए विभाग द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी है।

- चालू वित्त वर्ष में मच्छीवाली कोठी, हाऊसिंग बोर्ड कालौनी, बाकहोस्ट, विकासनगर, सचिवालय के समीप व रामचन्द्र चौक के समीप वर्षा शालिकाओ का निर्माण किया गया है। इन पर लगभग राशि 35 लाख रू. व्यय किए गए है। पंथाघाटी, चक्कर, लक्कड़ बाजार बस अड्डा, पुराना बस अड्डा व पशु औषघालय कार्ट रोड़ में वर्षा शालिकाओ का कार्य शीघ्र आरम्भ किया जा रहा है।

- शिमला शहर में विभिन्न स्थानों पर पार्किग स्थलों का निर्माण करने हेतू 55 स्थानों को चिन्हित किया गया है तथा विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही है। इसमें से 45 पार्किगों के निर्माण के लिए राशि रू. 30.98 करोड़ का प्रावधान अमरूत के तहत किया जा चुका है। औपचारिकताएं पूर्ण होते ही पार्किगों का निर्माण कार्य शीघ्र आरम्भ कर दिया जाएगा।

- इस चालू वर्ष में शिमला शहर के विभिन्न वार्डो के सुधार हेतू राशि रूपये 5229.88 लाख की लागत के 485 कार्य जिसमें वर्षा शालिका, सामुदायिक भवन, कार पार्किग, सार्वजनिक शौचालय का निर्माण व सड़कों पर ड़गे इत्यादि के निर्माण हेतू अवार्ड किए गए है तथा इनमें से अधिकतर कार्य पूर्ण किए जा चुके है तथा कुछ का निर्माण कार्य

प्रगति पर है। इन कार्य के एवज में 31.01.2017 तक राशि 736.94 लाख रू. का भुगतान किया जा चुका है।

- इस चालू वर्ष में आधुनिक तकनीक के चार ई. टायलेट हिमाचल प्रदेश सचिवालय व रिज टका बैंच के पास दो–दो ई.–टायलेट का निर्माण किया गया। जिस पर लगभग 18 लाख रू. व्यय किए गए। आगामी वित्त वर्ष में लगभग रू. 40.84 लाख की लागत से आई0एस0बी0टी0 टुटीकण्ड़ी व नव बाहर में बिडस कालेज के पास ई.–टायलेट का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए ऑन लाईन निविदाएं आमन्त्रित की जा चुकी है तथा शीघ्र इसका कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त डी0सी0आफिस के नजदीक पुराने बने शौचालय के स्थान पर नये ई.–टायलेट का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- इस चालू वर्ष में नगर निगम कोर्टहील व चौड़ा मैदान में लेबर होस्टल के रख–रखाव व इनमें आवश्यक मूलभूत सुविधाए जैसे अलमीरा, बेड, हीटर रजाई व कम्बल इत्यादि उपलब्ध करवाने के लिए राशि रू. 39–39 लाख रूपये व्यय कर रहा है।

- वर्ष 2017–18 में 4 नए लेबर होस्टल जिनका निर्माण कोर्टहील, कृष्णानगर, दाड़नी का बागीचा व शनान (मल्याणा) में किया जाएगा, के लिए राशि रू. 4.00 करोड़ का प्रावधान रखा गया हैं। प्रदेश सरकार के श्रम विभाग से इन लेबर होस्टलों के निर्माण हेतू निधि के लिए प्रस्तावना प्रस्तुत की जा रही है।

- शहर में युवाओं को साकारात्मक गतिविधियॉ प्रदान करने के लिए नगर निगम तत्पर है तथा इसको ध्यान में रखते हुए आगामी वित्त वर्ष में शिमला शहर के सभी वार्डो में यूथ कल्ब/जिम्नैजियम खोलने की प्रस्तावना है जिसके लिए राशि 1.75 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। इन युथ कल्ब/जिम्नैजियम के बनने से शहर के बच्चों व युवाओं को जहॉ खेल व व्यायाम करने की सुविधा उपलब्ध होगी वहीं बच्चों व युवाओं को नशे जैसी बुरी आदतों में पड़ने पर रोक लगेगी।

- आगामी वित्त वर्ष में डा0भीम राव अम्बेदकर चौक चौड़ा मैदान में डा0 भीम राव अम्बेदकर के नाम पर एक पुस्तकालय का निर्माण करने की प्रस्तावना है।

- समरहील चौक पर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की प्रस्तावना हेतू राशि 15 लाख रू. की अनुमति प्रदान की गई है और इसकी स्थापना हेतू विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही है।

- रानी ग्रउण्ड, कसुम्पटी में राशि 1.29 करोड़ रूपये की लागत से एक बहुउद्देश्य आधुनिक पार्क का निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसका लगभग 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसे 31 मार्च, 2017 तक लोगों को समर्पित किया जाएगा।

- आगामी वित्त वर्ष में स्नो व्यु कैथु में अमृत मिशन के तहत राशि 1.85 करोड़ रूपये की लागत से पार्किंग स्थल का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है तथा इसका कार्य समयबद्व तरीके से पूर्ण किया जाएगा।

- रानी ग्रउंड कसुम्पटी के समीप व पंथाघाटी में भी पार्किंग का निर्माण प्रस्तावित है तथा इसके लिए स्थान चिन्हित किया जा चुका है । अन्य औपचारिकताओ को पूर्ण कर इसका कार्य शीघ्र आरम्भ किया जाएगा।

- संजौली स्थित सत्यप्रकाश मेमोरियल स्कूल के साथ ग्रऊंड पर इन्डोर गेम बास्केट बाल कोर्ट व उसके उपर पार्किंग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए खेल विभाग द्वारा 50 लाख रू. की राशि नगर निगम को उपलब्ध करवा दी गई है तथा शीघ्र ही औपचारिकताएं पूर्ण करके कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

- ढली में बहुउद्देश्य व्यवसायिक परिसर व पार्किंग का अमृत मिशन के तहत राशि 3.75 करोड़ रूपये की लागत से निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

- समरहील में बहुउद्देश्य सामुदायिक भवन व पार्किंग का अमृत मिशन के तहत राशि 1.00 करोड़ की लागत से निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

- अमृत मिशन के तहत राशि 5.98 करोड़ रू0 की लागत से शिमला शहर के विभिन्न नालों की मुरम्मत व निर्माण किया जाना प्रस्तावित है।

- अमृत मिशन के तहत राशि 8.22 करोड़ रू0 की लागत से शिमला के विभिन्न वार्डो के रास्तों के निर्माण पर खर्च किए जाने प्रस्तावित है।

- रिज टका बैंच पर बुक केफे बनाने का निर्माण कार्य प्रगति पर है और जिसका लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है । इसे 15 मार्च, 2017 तक लोगों के लिए समर्पित कर दिया जाएगा।

- गुरूद्वारे के नजदीक पुराने लोकल बस अड्डा में कार्ट रोड़ को चौड़ा करने के उदेश्य से पुरानी दुकानों को तोड़ दिया गया गया है और उन्हें दीन दयाल उपाध्याय के लिए बने नए परिसर की धरातल मंजिल में शिफट कर दिया गया है और सड़क को लोगों की सुविधा को देखते हुए चौड़ा कर दिया गया है। इसी प्रकार बालूगंज, संजौली व विभिन्न अन्य स्थानों पर भी सड़क को चौड़ा करने का कार्य किया जा रहा है।

- शहर में यातायात की समस्या से निदान हेतू होली डे होम से बाईपास के लिए सड़क का निर्माण किया जाना प्रस्तावित किया गया है जिसके लिए हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग द्वारा औपचारिकताए पूर्ण की जा रही है ।

- निगम द्वारा बैमलोई से कनलोग रोड़ को चौड़ा करने के लिए राशि रू. 1.23 करोड़ की लागत से प्राकलन बनाया गया है तथा इसके निर्माण के लिए प्रदेश सरकार से धन राशि उपलब्ध करवाने हेतू आग्रह किया गया है।

- इसके अतिरिक्त निगम द्वारा यातायात की समस्या के निदान हेतू 103 टनल से टूटीकण्डी बाईपास को चौड़ा करना प्रस्तावित किया है जिसके लिए राशि रू. 26.40 लाख का प्राकलन तैयार किया गया है तथा सड़क को चौड़ा करने के लिए विभागीय कार्यवाही प्रगति पर है।

- शनान (मल्याणा) स छोटा शिमला के लिए लगभग राशि रू. 2.00 करोड़ की लागत से सम्पर्क मार्ग को बनाने का कार्य प्रगति पर है तथा इस सम्पर्क मार्ग को छोटा शिमला मुख्य सड़क से जोड़ा जाना भी प्रस्तावित किया जा रहा है।

- शिमला शहर के मध्य में स्थित सब्जी मण्डी को दाड़नी का बगीचा में स्थानान्तरित किया जा रहा है, जिसके लिए भूमि का चयन किया जा चुका है तथा नगर निगम द्वारा चयनित भूमि का अनापति जारी कर दिया गया है। इस नई सब्जी मण्डी का निर्माण हिमाचल प्रदेश मार्किटिंग बोर्ड के माध्यम से करवाया जाना प्रस्तावित है।

- शिमला शहर की अनाज मण्डी व टिम्बर मार्किट को शहर से बाहर शनान मल्याणा में स्थानान्तरित करने बारे भूमि का चयन कर लिया गया है और इसमें कुछ भूमि नगर निगम की व कुछ प्रदेश सरकार की है जिसमें से अनाज मण्डी के निर्माण हेतू भूमि हि0प्र0 मार्किटिंग बोर्ड को स्थानान्तरित करने बारे औपचारिकताएं पूर्ण की जा चुकी हैं तथा टिम्बर मार्किट हेतू भूमि स्थानान्तरण व निर्माण के लिए विभागीय कार्यवाही चल रही है।

- शिमला शहर के वरिष्ठ नागरिको के लिए शहर में दो स्थानो संजौली व ऑकलेण्ड पार्किंग में स्थान उपलब्ध करवाया जाएगा, जहॉ पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए वाचनालय की सुविधा के साथ–साथ साप्ताहिक तौर पर सामान्य जॉच हेतू मेडिकल चेकअप का प्रावधान

किया जाएगा तथा बल्ड चैकअप इत्यादि के लिए निगम लेबोरेट्री से सुविधा प्रदान की जाएगी।

- शिमला शहर की कामकाजी महिलाओं की सुविधा हेतू रानी झांसी पार्क में क्रेच खोलना प्रस्तावित किया गया है।

7. स्वास्थ्य विभाग :

- नगर निगम शहर में राशि 1.20 करोड़ रूपये की लागत से 110 सार्वजनिक/ सामुदायिक शौचालयों की मुरम्मत व जिर्णोद्वार का कार्य करवाया जा रहा है तथा शहरवासियो को स्वच्छता बारे जागरूक करने हेतू प्रत्येक शौचालय पर छोटे होर्डिंग भी लगवाए जा चुके ह। स्वच्छ भारत मिशन के अर्न्तगत सभी वार्डो में स्वच्छता जागरूकता के लिए शहरवासियों को जागरूक करने हेतू 25 बड़े होर्डिंग लगवाए गए।

- शिमला शहर के कचरा प्रबन्धन हेतू भरयाल प्लांट को आधुनिक तकनीक से वेस्ट टू एनर्जी का प्लांट राशि 42 करोड़ रूपये की लागत से पी.पी.पी. मोड पर एलीफेंट एनर्जी प्राईवेट लि0 द्वारा स्थापित किया जा रहा है। जिससे शहर के कूड़े–कचरे को गेसीफिकेशन तकनीक के द्वारा आर.डी.एफ. बनाकर बिजली उत्पादन की जाएगी। 70 टन प्रतिदिन कचरे से 1.7 मेगावाट बिजली उत्पादन कर कम्पनी विद्युत बोर्ड को विक्रय करेगी तथा इस कूड़े के निष्पादन हेतू नगर निगम शिमला द्वारा कम्पनी को किसी भी प्रकार की टिपिंग फी नहीं देगा। इसके अतिरिक्त भारत सरकार द्वारा अधिसूचित सोलिड वेस्ट मेनेजमेण्ट एण्ड हेंडलिंग रूल्ज, 2000 की अनुपालना होगी। इस प्लांट के चलने पर 10 प्रतिशत से भी कम राख (Ash) उत्पन्न होगी, जिसको टाईल्ज बनाने हेतू प्रयोग किया जा सकता है। इस प्रकार निगम को लेण्डफिल बनाने के लिए भी बहुत कम खर्च व्यय करना पड़ेगा तथा पर्यावरण में भी सुधार होगा।

- नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 2 अक्तूबर, 2015 को शिकायत निवारण केन्द्र स्थापित किया गया। इस शिकायत केन्द्र में शिमला के स्थानीय निवासी टोल फ्री नं 1916 की पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते है। जिसके तहत नगर निगम शिमला को पानी, सीवरेज तथा कूड़े से सम्बन्धित विभिन्न प्रकार की शिकायते प्राप्त हो रही है व इनका तुरन्त समाधान किया जाता है तथा सफाई से सम्बन्धित शिकायतों हेतू स्वच्छता वाहन भेजकर शिकायत का समाधान किया जाता है। 31 जनवरी, 2017 तक 2145 शिकायतं नगर निगम शिमला को प्राप्त हुई और इन सभी शिकायतों का समय पर समाधान किया गया। जिसके लिए नगर निगम शिमला ने स्वच्छता वाहन का प्रावधान किया है जोकि अपने आप में इस प्रकार की देशभर में एक अनूठी पहल है।

- इस चालू वर्ष में एक छोटा पानी का टैंकर पिकअप वाहन के उपर बनवाया गया जिसका प्रयोग सार्वजनिक व सामुदायिक शाचालयों की टॉकियों में पानी भरने तथा सफाई हेतू किया जा रहा है। शौचालय में स्वच्छता बनाए रखने के दृष्टिगत यह निगम का बेहतर प्रयास है।

- इस चालू वर्ष में शिमला शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने हेतू नाईट स्वीपिंग का कार्य भी शुरू किया गया ।

- शिमला शहर को बाह्य शौच मुक्त (ODF) करने हेतू उचित कदम उठाए गए। इसके लिए नगर निगम ने 2 बायो टायलेट ब्लाक हिमकोन से खरीदे गए, जिन्हें धोबीघाट अनाडेल तथा मशोबरा में स्थापित किया गया, जो क्षेत्र सीवरेज लाईन से वंचित है। इसके अतिरिक्त सीवरेज लाईन से वंचित क्षेत्रों में सीवरेज लाईन जोड़ने का कार्य किया गया।

- स्वच्छ भारत मिशन के अर्न्तगत नियमित रूप से सभी वार्डो में सफाई अभियान चलाए गए और नाला व हिल साईड की सफाई विशेष तौर से करवाई गई। जिसमें स्थानीय लोगों ने भी अपना योगदान दिया।

- स्वच्छता के दृष्टिगत 2 अक्तूबर, 2016 को स्कूली बच्चों तथा शिमला के नागरिकों को स्वच्छता शपथ दिलवाई गई तथा हस्ताक्षर मुहिम चलाई गई। शिमला के स्कूली बच्चों को Best Hygiene & Sanitation Practices के लिए Do's & Don'ts के माध्यम से जागरूक किया गया।

- स्वच्छ भारत मिशन के अर्न्तगत पर्यावरण प्रचार प्रतियोगिता करवाई गई जिसमें स्कूली बच्चों द्वारा भाग लिया गया तथा इस प्रतियोगिता में विजेता छात्र को राशि 21000/–रूपये का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

- स्वच्छ भारत मिशन के अर्न्तगत टैक्सी चालका, भार ढोने वाले मजदूरों, फोटोग्रफर तथा घोड़े चलाने वालों को स्वच्छता बनाए रखने हेतू जागरूक किया गया ।

- इस चालू वर्ष में कार बिन स्कीम को शुरू किया गया, जिससे सैलानियों को अपने वेस्ट को इधर–उधर न फैंकना पड़े। इसी प्रकार शहरवासियो की जागरूकता के लिए हेरीटेज वाक का भी आयोजन किया गया।

- स्वच्छ भारत मिशन के तहत भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा देश के 500 शहरों में स्वच्छता सर्वेक्षण करवाया गया। नगर निगम शिमला द्वारा भी 23 जनवरी, 2017 से 12 फरवरी, 2017 तक स्वच्छता सर्वेक्षण में भाग लिया तथा इस बार शिमला शहर के नागरिकों से दुरभाष के माध्यम से प्रश्न पूछे गए व इच्छुक नागरिको द्वारा उत्तर टोल फ्री न. 1969 पर मिस्ड कॉल देकर भी दर्ज करवाए गए। जिसका परिणाम मार्च, 2017 को घोषित/प्रकाशित किया जाना है ।

- मै0 माईक्रो ट्रांसमीशन सिस्टम के माध्यम से दाड़नी का बगीचा (कृष्णानगर) में आधुनिक स्लाटर हाउस चलाया जा रहा है और इस

स्लाटर हाउस में 1.2.2016 से 31.1.2017 तक 737588 कुक्कुट, 921 सुअर व 22100 भेड़–बकरियों को काटा गया है। मुस्लिम समुदाय की भावनाओं को मध्यनजर रखते हुए नगर निगम द्वारा राशि 70.00 लाख को लागत से पिग स्लाटर हाउस हेतू निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- नगर निगम द्वारा आवारा कुतो के जन्म नियन्त्रण हेतू नसबन्दी का कार्य किया जा रहा है तथा दिनांक 1.2.2016 से 31.1.2017 तक 550 आवारा कुत्तों की नसबन्दी व टीकाकरण का कार्य किया जा चुका है।

- नगर निगम द्वारा माननीय उच्च न्यायालय हिमाचल प्रदेश द्वारा पारित आदेशों की अनुपालना में आवारा पशुओं को रखने हेतू पशु पड़ाव बालूगंज में भूमि का चयन किया गया है तथा 15–20 आवारा पशुओं को अस्थायी तौर पर रखने का प्रावधान किया गया है। गौशाला के निर्माण के लिए अनुमानित राशि 25 लाख रू. के प्रावधान हेतू मामला शहरी विकास विभाग, हि0प्र0 को भेजा गया है।

- इस चालू वर्ष में निगम द्वारा 42 वाहनों पर (जी.पी.एस.)वाहन ट्रेकिंग व मोनिट्रिंग सिस्टम लगवाये गए जिससे निगम वाहनों की आसानी से ट्रेकिंग व मोनिट्रिंग की जा सकेगी और कार्य में दक्षता लाई जा सकेगी।

- नगर निगम के अतिरिक्त पानी की गुणवता को जॉचने व पारदर्शिता के उद्देश्य से बाहरी संस्थाओं से भी पानी के सैम्पलों की जॉच करवाई जा रही है जोकि देश में अनूठी पहल है। इसके अतिरिक्त पानी की गुणवता की जॉच रिपोर्ट को वेबसाईट व रिज एल0ई0स्कीन पर सार्वजनिक करवाया जा रहा है।

- निगम के सभी पानी के स्टोरेज टैंको की सफाई हेतू Standard Operating Procedure (SOP) बनाए गए जोकि इस प्रकार का पहला कदम है। इसके अतिरिक्त पहली बार सेक्टर स्टोरेज टैंको की कलोरिनेशन करवाई गई।

- नगर निगम शिमला के कसुम्पटी वार्ड में इस चालू वर्ष में 200 घरों का सर्वेक्षण करके DEWATS System लगवाने के लिए स्थान चयनित किया गया था और इसके लिए वन विभाग से FCA की अनुमति आनी अपेक्षित थी परन्तु समयबद्व होने के कारण इस DEWATS System को अब हिपा मे लगाना प्रस्तावित किया गया है। जिसके लिए निविदाएं आमन्त्रित की जा चुकी हैं। शीघ्र कार्य अवार्ड करने के उपरान्त शुरू कर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त विकासनगर में एक ई.–टायलेट बनाया जाना प्रस्तावित हैं।

- युरोपियन युनियन परियोजना के अर्न्तगत नगर निगम शिमला के साथ–साथ नाहन, मण्डी तथा हमीरपूर के शहरी निकायों का सिटी सेनीटेशन प्लांन तैयार कर दिया गया है।

- इसके अतिरिक्त युरोपियन युनियन परियोजना के अर्न्तगत टूटू वार्ड के बंगाला कालौनी में चिन्हित स्थान पर प्रस्तावित सार्वजनिक शौचालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

- युरोपियन युनियन परियोजना के तहत टूटू में प्रस्तावित पायलट आधार पर फिक्कल स्लज ट्रीटमैण्ट प्लांट (FSTP) स्थापित करने का कार्य अवार्ड किया जा चुका है। इस प्लांट के लगने पर वैज्ञानिक तरीके से सेप्टिक टैंकों के स्लज को नष्ट किया जाएगा।

- युरोपियन युनियन परियोजना के तहत समय–समय पर स्वच्छता से सम्बन्धित कार्यशालाओं द्वारा प्रदेश की नगर निगम व स्थानीय निकायों के जन–प्रतिनिधियों व अधिकारियों की स्वच्छता के बारे में क्षमता संवधन व जागरूक किया गया।

- इस चालू वर्ष में युरोपियत युनियन के तहत स्कूल स्तर पर SEEP (Shimla Environement Education Programme) व पर्यटको को शहर की स्वच्छता बनाए रखने हेतू ग्रीन फोंस के माध्यम से जागरूक किया गया।

- इस चालू वर्ष में सब्जी मण्डी से निकलने वाले वनस्पति कचरें के पुर्नचकरण हेतू एक टन प्रतिदिन क्षमता वाले बायोगेस प्लांट को लालपानी सीवरेज ट्रीटमेण्ट प्लांट पर स्थापित करने हेतू निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी है तथा शीघ्र ही इसका कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

- इसके अतिरिक्त लिफ्ट व ताराहाल स्कूल के पास बने सार्वजनिक शौचालय के रख–रखाव का कार्य युरोपियन युनियन द्वारा किया जा रहा है।

8. सम्पदा विभाग :

- नगर निगम द्वारा आयुक्त की अध्यक्षता में Town Vending Committees का गठन किया जा चुका है। National Street Vendors Policy, 2009 तथा Street Vendors (Protection of Livelihood and Regulation of Street Vending) Act, 2014 के प्रावधानों के अनुसार शहर में Vending Zones चिन्हित किए गए है। 31मार्च, 2017 तक इस वित्त वर्ष में सभी चिन्हित तहबाजारियों को उचित स्थान उपलब्ध करवा दिया जाएगा तथा स्ट्रीट वैन्डर्ज पहचान पत्र जारी करने की प्रकिया प्रगति पर है उसके उपरान्त इनसे किराया वसूल किया जाना प्रस्तावित है जिससे नगर निगम शिमला को लगभग 50 लाख वार्षिक आय प्राप्त होने की सम्भावना है।

- वर्ष 2016–17 में नगर निगम को विज्ञापन/होर्डिंग्स स्थलों से जनवरी, 2017 तक लगभग रू. 84.38 लाख की प्राप्ति हुई है। आगामी वित्त वर्ष के लिए विज्ञापन/होर्डिंग से नगर निगम को लगभग 1 करोड़ रूपये की आय होनी अनुमानित है।

- विभिन्न फिल्मों की शूटिंग, कैनोपी इत्यादि से चालू वित्त वर्ष में रू. 15 लाख की आय प्राप्त हुई हैं। आगामी वित्त वर्ष में फिल्म शूटिंग आदि से लगभग 20 लाख रू0 की आय सृजित होने की सम्भावना है।

- वर्ष 2016–17 में लीज राशि और निगम की दुकानों इत्यादि से निगम किराये की वसूली से लगभग रू0 1.42 करोड़ की आय प्राप्त हुई है। निगम सम्पतियों का सही मुल्यांकन कर लीज की प्रक्रिया को सुचारू करने हेतू कदम उठाए गए है तथा समस्त निगम सम्पतियॉ जो लीज पर दी गई है उनकी लीज को युक्तिसंगत बनाया जा रहा है। इससे लीजधारको को भी वैधानिक अधिकार प्राप्त होगा व निगम की आय में भी वृद्वि होगी।

- इस चालू वित्त वर्ष में भराड़ी स्थित विश्राम गृह के आबंटन से निगम को 10.80 लाख रू. की आय प्राप्त हो चुकी है तथा आगामी वित्त वर्ष में इससे निगम को 21.60 लाख रू. की आय प्राप्त होगी।

- इस चालू वित्त वर्ष 2016–17 में नगर निगम को पार्किगों से 76.10 लाख रू. की आय जनवरी, 2017 तक प्राप्त हो चुकी है तथा निगम द्वारा शिमला में नगर निगम की पार्किग में एडवांस बुकिंग करने की सुविधा प्रदान करने हेतू HP Parking Android Based Mobile App शुरू किया गया तथा पारदर्शिता लाने के दृष्टिगत निगम द्वारा इसी वर्ष पार्किगों में बूम बेरियर लगाने की प्रस्तावना है।

- इस वित्तीय वर्ष में बाहरी राज्यों में पंजीकृत वाहनों के शिमला निगम सीमा में प्रवेश करने पर ग्रीन फीस लगाने की प्रस्तावना है, जिससे नगर निगम को वार्षिक लगभग 12 करोड़ रू. आय होने की सम्भावना है।

- इसके अतिरिक्त आगामी वित्त वर्ष में शिमला शहर के केबल ऑपरेटरो से प्रति केवल कनेक्शन चार्जिज वसुलने से निगम को लगभग 6 लाख रू. की आय होने की सम्भावना हैं।

9. वास्तुक विभाग :

- इस वित्त वर्ष में वास्तुक योजनाकार शाखा में भवन निर्माण हेतू 424 नए प्रस्तावित/संशोधित/ओल्ड लाईन / सम्पूर्ण/ चैंज ऑफ लैंड यूज/बिल्डिग नक्शों के मामले स्वीकृति हेतू प्राप्त हुए, जिनमें से 388 भवनों के नक्शों की स्वीकृति प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त इस चालू वर्ष में विभिन्न प्रकार क शुल्को/पैनल्टी/अनापति प्रमाण पत्रों इत्यादि से लगभग रू. 1,84,66,000/– की आय प्राप्त हो चुकी है।

10. निगम परियोजनाएं :

- नगर निगम द्वारा तहबजारियों के सशक्तिकरण एवं पुनर्वास के दृष्टिगत लिफ्ट के नजदीक बेकरी बिल्डिग के स्थान पर पार्किंग तथा लिफ्ट सुविधा सहित 222 दुकानों (तहबजारियों) तथा 12 बेकरियों का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिस पर राशि 3.93 करोड़ रू. व्यय किए जाने अनुमानित है। कार्य स्थल पर हार्ड स्टोन के आने की वजह से इसका निर्माण 31 दिसम्बर, 2017 तक पूर्ण कर लिया जाएगा व इसका आधा भाग मई, 2017 तक पूर्ण कर आंबटित किया जाएगा। भारत सरकार द्वारा इस परियोजना के लिए 2.50 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है जिसमें से पहली किश्त भारत सरकार द्वारा 1.25 करोड़ रू. तथा प्रदेश सरकार से 50 लाख रू. निगम को प्राप्त हो चुके है। अभी तक इस परियोजना के निर्माण पर 90 लाख रू. व्यय किए जा चुके है।

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संजौली के समीप 2500 वर्ग मीटर क्षेत्र पर रू. 24 करोड़ 70 लाख की अनुमानित लागत से 400 वाहनों के लिए पी.पी.पी. आधार पार्किंग का निर्माण प्रगति पर है। प्रस्तावित नौ मंजिला परिसर वाले इस भवन में से लगभग 250 वाहनों की पार्किंग क्षमता वाली चार मंजिलों को स्थानीय लोगों को वाहन पार्क करने हेतू खोल दिया गया है तथा शेष बची 150 वाहन पार्किंग का निर्माण कार्य 31 मार्च, 2017 तक पूरा कर लिया जाएगा। 30 वर्षो की

कनसैशन (Concession) अवधि में नगर निगम को प्रति वर्ष रू. 96 लाख की आमदनी होगी, जो प्रति 2 वर्षो में पिछले वर्ष की राशि पर 10 प्रतिशत बढगी। पार्किंग स्थल का जो हिस्सा वाहनों को पार्क करने के लिए शुरू कर दिया गया है उससे आय प्राप्त करने के लिए ठेकेदार से विभागीय कार्यवाही चल रही है।

- छोटा शिमला में 1832 वर्ग मीटर क्षेत्र पर राशि रू. 11 करोड़ 68 लाख की अनुमानित लागत से 250 वाहनों के लिए पार्किंग का निर्माण पी.पी.पी. आधार किया गया तथा पार्किग को लोगों की सुविधा हेतू 7 अप्रैल, 2016 को खोल दिया गया है। 30 वर्षो की कनसैशन (Concession) अवधि में नगर निगम को प्रति वर्ष रू. 36 लाख की आय होगी, जो प्रति 2 वर्षो में पिछले वर्ष की राशि पर 10 प्रतिशत बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त इस परिसर में लगभग 30 हजार वर्गफुट क्षेत्र पर व्यावसायिक परिसर, वाशरूम, स्टाफ, अटैण्डेंस रूम, क्लाक रूम, ए0टी0एम0 और लिफट का निर्माण कार्य प्रगति पर है तथा इस पार्किंग स्थल से करारनामा अनुसार आय प्राप्त करने हेतू ठेकेदार से विभागीय कार्यवाही चल रही है।

- लिफ्ट के समीप 6471.24 वर्गमीटर क्षेत्र पर राशि रू. 46 करोड़ 11 लाख की अनुमानित लागत से 700 वाहनों के लिए पार्किंग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। 30 वर्षो की कनसैशन (Concession) अवधि में नगर निगम को प्रतिवर्ष रू. 1 करोड़ की आय होगी जोकि प्रति 2 वर्षो में पिछले वर्ष की राशि पर 10 प्रतिशत बढ़ेगी। प्रस्तावित पार्किग में से जो हिस्सा पार्किंग स्थल का पूरा हो चुका है उसे वाहनों को पार्क करने हेतू 10 दिसम्बर, 2016 को खोल दिया गया है तथा इसमें 280 वाहनों को पार्क करने की सुविधा लोगो को मिलनी शुरू हो गई है तथा शेष बची पार्किग व व्यवसायिक परिसर का कार्य प्रगति पर है जिसे मई, 2017 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

- विकासनगर में 1062 वर्ग मीटर क्षेत्र पर 174 वाहनों की पार्किंग निर्माण हेतू सभी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली गई है तथा इस पार्किंग

का निर्माण कार्य मै0 रूद्रा प्राईवेट लि0 द्वारा शुरू कर दिया गया है। जिसे 18 महीनों में पूरा किए जाने का लक्ष्य हैं। 40 वर्षो की कनसैशन (Concession) अवधि में निगम को प्रतिवर्ष 16 लाख रू. की आमदनी होगी, जो प्रति 3 वर्षो में 10 प्रतिशत बढ़ेगी।

- अमृत मिशन के अर्न्तगत शिमला शहर को पॉच वर्षो के लिए वर्ष 2015–2020 तक कुल 238.43 करोड़ रूपये की प्रस्तावना स्वीकृत की गई है। इसमें जल वितरण प्रणाली हेतू 89.55 करोड़ रूपये, सीवरेज सुविधाओं हेतू 67.59 करोड़ रूपये, ड्रेनेज के लिए 20.57 करोड़ रूपये, शहरी परिवहन हेतू 55.03 करोड़ रूपये, सुव्यवस्थित पार्क विकसित करने हेतू 5.59 करोड़ रूपये की प्रस्तावनाएं पारित की गई है। जिसके तहत केन्द्र सरकार द्वारा 28.65 करोड़ रूपये व प्रदेश सरकार से 7.77 करोड़ रूपये नगर निगम को अभी तक प्राप्त हो चुके है। इस मिशन के तहत बनी योजनाओं पर निगम के विभिन्न विभागों द्वारा कार्य करना आरम्भ कर दिया गया हैं।

- राजीव आवास योजना के अर्न्तगत भारत सरकार के आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय के सौजन्य से कृष्णानगर पायलट प्रौजेक्ट के लिए स्वीकृत रू. 33 करोड़ 99 लाख 65 हजार की कुल धनराशि में से प्रथम किश्त रू. 10 करोड़ 67 लाख 24 हजार नगर निगम को प्राप्त हुई है। प्रस्तावित 300 आवासीय इकाईयों मे से 224 पात्र चिन्हित लाभार्थियों के लिए तथा 76 किराये के लिए है। बच्चों की सुविधा हेतू चिल्ड्रन पार्क को खोल दिया गया है जिस पर 18.74 लाख रू0 की लागत आई है। इसके अतिरिक्त बहुउद्देशीय परिसर का निर्माण कार्य ठेकेदार को आंबटित कर दिया गया है और कार्य प्रगति पर है। इस परियोजना में 88 आवासीय ईकाईयों का निर्माण कार्य चयनित स्थान नम्बर 3 तथा 208 आवासीय ईकाईयों का निर्माण भी चयनित स्थान नम्बर 5 पर करने हेतू ठेकेदार को आंबटित कर दिया गया है तथा इनका कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त इस परियोजना के अर्न्तगत बायपास सड़क कृष्णानगर वधशाला से आवासीय भवनों के निर्माण स्थल तक सड़क बनाने का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

- 14 करोड़ 1 लाख रूपये की लागत से 384 घरेलू इकाईयों का निर्माण हिमुडा द्वारा आशियाना–II परियोजना के अर्न्तगत किया जाना था, इसमे से हिमुडा द्वारा 176 घरेलू इकाईयों का निर्माण किया गया है। इन 176 ईकाईयो मे से अभी तक नगर निगम शिमला को 94 आवास हस्तान्तरित कर दिए गए है, जिन्हें पात्र लोगों को आबंटित करने की प्रकिया जारी है। इसमें से 73 लाभार्थियों की सूची माननीय सदन द्वारा पारित कर दी गई है जिसमें लाभार्थी शेयर 1,63,956/– निश्चित किया गया हैं। इन लाभार्थियों मे से 46 पात्र लोगों ने अपना शेयर निगम कोष में जमा करवा दिया गया हैं तथा 73 मे से 50 लाभार्थियों के कागजात सही पाए गए है तथा उन्हें फरवरी, 2017 को आवास आंबटित कर दिए गए है तथा शेष बचे लाभार्थियों के कागजात पूरे होने पर उन्हें भी आवास आंबटित कर दिए जाएंगे।

- प्रधानमंत्री आवास योजना – 2022 के अर्न्तगत नगर निगम शिमला द्वारा शिमला शहर में रहने वाले गरीब लोगों को सस्ती दरों पर घर उपलब्ध करवाने की योजना को पारित किया गया है । इस योजना के तहत प्रथम व तृतीय घटक मे स्लम पूर्नविकास व सांझेदारी में आवास प्रदान करने के लिए ' सब के लिए आवास ' (HFA) निर्माण करने हेतू दो स्थान चयनित किए गए है, जिसमें उप राजस्व इस्टेट बडा शिमला में खसरा नं 751 में 5569 वर्ग मीटर भूमि को निदेशक, शहरी विभाग शिमला को स्थानान्तरण करने बारे प्रदेश सरकार से तथा उप राजस्व इस्टेट ताराहाल के खसरा नं 713 में 5000 वर्ग मीटर भूमि को लीज पर नगर निगम शिमला को 5 प्रतिशत मार्किट दर से 30 वर्षो की अवधी के लिए देने बारे मामला हिमाचल प्रदेश वक्फ बोर्ड के साथ उठाया गया है। इसके अतिरिक्त द्वितीय घटक में कडिट लिंक सब्सिडी के आधार पर 96 लाभार्थियों को 'सब के लिए आवास' (HFA) हेतू चयनित किया गया है तथा 60 मामलें बैंक को लाभार्थियों को आवास लेने हेतु 6 लाख रू. का ऋण 6.5 प्रतिशत की ब्याज दर पर देने बारे भेजा गया है। चौथे घटक में सब्सिडी के आधार पर निजी आवास के निर्माण/विस्तार हेतू 61 लाभार्थियों को चयनित किया गया है तथा इसके तहत लाभार्थी को केन्द्र व प्रदेश सरकार से 1,65,000/– रू. अनुदान दिया जाएगा।

- शिमला शहर को मिशन स्मार्ट सिटि की प्रस्तावना बनाने के लिए नगर निगम द्वारा वैवकोस कम्पनी को चुना गया है और वह शिमला शहर को स्मार्ट सिटि में चयनित करने के लिए शहर की विभिन्न समस्याओं को एकत्रित करके उसकी प्रस्तावना 25 मार्च, 2017 तक भारत सरकार को प्रस्तुत करने के लिए तैयारिया कर रहा है। जिसके अर्न्तगत नगर निगम द्वारा शिमला शहर को स्मार्ट सिटि बनाने के उदेश्य से समस्त शहरवासियों के सहयोग से निगम के सभी 25 वार्डो मे वार्ड सभाएं, जन प्रतिनिधियों, विभिन्न नागरिक संगठनों, अधिकारियों आदि के साथ बैठकें व वर्कशॉप का आयोजन किया गया और इसके अतिरिक्त Radio, Whats App, SMS, TV, News Paper पर विज्ञापन देकर तथा निर्धारित फोर्म पर सुझाव/विचार भरवाएं गए, Logo Design प्रतियोगिता, निबन्ध लेखन " My Dream Shimla" कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

- एशियन डवैल्पमेण्ट बैंक के सहयोग से शिमला के सौंदयकरण के लिए राशि 23.72 करोड़ रूपये की लागत से शिमला माल रोड़ सड़क पर तारकोल, साईड ड्रेन, वर्षा शालिका, शौचालय, रेलिग्ज, पुलिस पोस्ट, बैंच, डस्टबिन, दिशा सूचक, भिति चित्र, माल रोड़ को जोड़ने वाली सिढ़ियों व फाउनटेन इत्यादि का 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त शिमला माल रोड़ सड़क व अन्य कार्य के विस्तार के दृष्टिगत राशि 33.88 करोड़ रूपये की लागत से 11 प्रतिशत कार्य करवाया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। इसके अलावा रिज से संजौली, सी0टी0ओ0 से एडवांस स्टडी व रिज से नवबहार तक की सड़कां का भी माल रोड़ की तर्ज पर ही सौंदर्यकरण किया जा रहा है।

- एशियन डवैल्पमेण्ट बैंक के सहयोग से टाऊन हाल का जिर्णोद्वार 8 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। जो आधुनिक कार्य सुविधाओ से लैस होगा व सी0सी0टी0वी0, अग्नि शमन यंत्र इत्यादि सुविधाएं भी उपलब्ध होगी। जिसका 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा कार्य प्रगति पर है। आगामी वित्त वर्ष में टाऊन हाल को आधुनिक रूप

देकर काय पूर्ण कर लिया जाएगा तथा अप्रैल, 2017 से नगर निगम शिमला पुनः अपना कार्य इसमें आरम्भ कर देगा।

- आगामी वित्त वर्ष में हेरीटेज जोन में राशि 5.58 करोड़ रूपये की लागत से चर्च के जिर्णोद्वार करने की प्रस्तावना है।

- इसके अलावा कार्ट रोड़ लिफट से माल रोड़ के लिए लिफट के नजदीक राशि 6.52 करोड़ रूपये की लागत से अतिरिक्त लिफट का निर्माण कार्य अवार्ड कर दिया गया है, जिसमें आधुनिक सुविधाएं सी. सी.टी.वी., अग्नि शमन, टावर क्लाक इत्यादि उपलब्ध होगी। जिसका कार्य आरम्भ किया जा चुका है। इसमे अर्जित आय का 40 प्रतिशत भाग नगर निगम को दिया जाना है।

- इसके अतिरिक्त एशियन डवैल्पमेण्ट बैंक के सहयोग से राशि 66.65 करोड़ रूपये की लागत से टूटीकण्डी बायपास पर 11 बहुमंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है जिसमें पार्किग स्थल के लिए 8 मंजिलों में 700 वाहनों को पार्क करने की सुविधा होगी। इसके अतिरिक्त इस भवन में दो मंजिलों में कार्यालय व रेस्टोरेण्ट, चार लिफट, सी.सी.टी. वी. व अग्नि शमन यंत्र इत्यादि की सुविधाए उपलब्ध होगी तथा इसका 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

- नगर निगम द्वारा शिमला शहर के लोगों व सैलानियों को बेहतर यातायात की सुविधाएं प्रदान करने के लिए 200 करोड़ रू. की लागत से पर्यटक सूचना केन्द्र बायपास रोड़ टूटीकण्डी से रिज वाया नगर निगम पार्किग हाई कोर्ट, रोप–वे को पी.पी.पी. के आधार पर बनाने हेतू कार्य उषा बरैको प्राईवेट लि0 को 40 वर्षो की कनसैशन (Concession) अवधि के लिए आबंटित किया गया है। इस कार्य के लिए Concessionier द्वारा एफ0सी0ए0 केस पर लगी आपतियों को औपचारिकताएं पूर्ण कर ऑन लाईन मामला वन विभाग की अनुमति हेतू भेज दिया गया है तथा अप्रैल, 2017 इसकी अनुमति मिलने की सम्भावना है। औपचारिकताएं पूर्ण होते इस परियाजना का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। यह परियोजना शुरू होने पर नगर निगम शिमला

को 10.62 करोड़ रूपये प्रतिवर्ष आय प्राप्त होगी तथा जिसमें पतिवर्ष पिछले वर्ष की राशि पर 5 प्रतिशत की बढ़ौतरी होगी।

11. शहरी गरीब के लिए परियोजनाएं :

- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन में शहरी गरीब लाभार्थियों व 2 लाख तक की आय की सोमा के पात्र युवाओं को कौशल विकास कार्यक्रम के तहत शिमला में Hospitality Trades के अर्न्तगत 75 लाभार्थी इसका लाभ प्राप्त कर चुके है। इसके अतिरिक्त आवेदक गरीब युवाओं को ड्राईविंग का कोर्स परिक्षण देना भी आरम्भ कर दिया गया है। इस चालू वर्ष में स्वरोजगार कार्यक्रम के अर्न्तगत व्यक्तिगत तौर पर किसी भी प्रकार का व्यवसाय करने के लिए 30 पात्र युवाओं को 2 लाख रूपये तक का ऋण भी दिया जा चुका है और इस मिशन के तहत 40 स्वंय सहायता समूह बनाए जा चुके है । आगामी वर्ष 2017–18 में भी 40 नये स्वंय सहायता समूह बनाए जाने का लक्ष्य है तथा सभी स्वंय सहायता समूह को स्वावलम्बी बनाने के उद्देश्य से 6 माह के उपरान्त 10,000/– रूपये प्रति समूह दिये जाने का प्रावधान है राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कार्यक्रम चलाने के उद्दश्य से रैन बसेरा नजदीक ऑकलेंड टनल में शहरी आजीविका केन्द्र खोला जा चुका है जिसके अर्न्तगत शहरवासियों को घर बेठें एक कॉल पर इलेक्ट्रिशियन, पलम्बर, इत्यादि की सेवाएं दुरभाष नं 0177–2652771, 0177–155304 पर उपलब्ध करवाई जा रही है।

- इसके अतिरिक्त शिमला में युवाओं में बढती नशे की आदतों को रोकने के लिए नशा मुक्त केन्द्र स्थापित करने के लिए नगर निगम द्वारा विभागीय औपचारिकताएं पूर्ण की जा रही है।

- शिमला शहर में शहरवासियो के लिए 5 स्थानों पर नगर निगम थाली शहर के लोगो/स्वंय सेवी संस्थाओं (NGO) के माध्यम से प्रतिदिन सस्ता खाना उपलब्ध करवाना प्रस्तावित किया गया ह जिससे शहरी गरीब लोग 25/– रू. में भरपेट खाना खा पाएंगे।

12. ई0 गवर्नेंस प्रोजैक्ट :

- इस चालू वर्ष में निगम द्वारा शिमला शहरवासियों की सुविधा हेतू नगर निगम से सम्बन्धित शिकायतों के लिए Shimla Municipal Corporation App शुरू किया गया है। जिस पर शिकायत आने पर तुरन्त शिकायतों का निपटारा किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त Shimla Parking App शुरू किया गया है जिससे शिमला शहर में आने वाले पर्यटकों को अपने वाहनो पार्क करने के लिए बुकिंग व जानकारी की सुविधा मिलेगी।

- नगर निगम शिमला में आगामी वित्त वर्ष में राशि रू. 2.50 करोड़ की लागत से स्वीकृत ई0 गवर्नेंस के अर्न्तगत सोफटवेयर उपलब्ध कर सभी 22 मॉडयूल प्रारम्भ करके लेखा, ऑडिट, पानी, सम्पति करों की बिलिंग, शॉप लाईसैंस, भवनों के नक्शों की स्वीकृति इत्यादि को 31 मार्च, 2017 तक ऑन लाईन शुरू कर दिया जाएगा तथा जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने की सेवाएं ऑन लाईन देनी आरम्भ की चुकी है। इसके अतिरिक्त ई0 गवर्नेंस प्रोजैक्ट के इस कार्य को मान्य सदन के निर्णय अनुसार NIC शिमला के माध्यम से करवाया जा रहा है। जिससे लोगों को अपने पानी,सम्पति कर व अन्य शुल्क इत्यादि निगम

को ऑन लाईन जमा करने के साथ–साथ अपने खातों की जानकारी भी उपलब्ध होगी।

13. वन विभाग :

- नगर निगम शिमला की Tree Authority Committee ने वन विभाग के साथ मिलकर वनों के सरंक्षण व विकास के लिए एक योजना तैयार की गई है । जिसके अर्न्तगत वनों की तारबंदी करना व इनमें Walking Trails व Resting Points का निर्माण किया जा रहा है। प्राथमिक तौर पर गलैन,समरहिल व नव बहार के वन क्षेत्रों में इसे लागू किया जा रहा है तथा इसके लिए 50 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

- कनलोग में डम्पिंग साईट पर वन विभाग के साथ मिलकर एक बहुउद्देश्य पार्क का निर्माण प्रस्तावित है। जिसमें जल क्रीड़ा , घूमने,व्यायाम व अन्य गतिविधियों के लिए प्रावधान किया जाएगा। वन विभाग ने इसके लिए लगभग 5.5 करोड़ रूपये का प्रावधान रखा है व इसका प्राकलन तैयार किया जा रहा है।

14. प्राप्त सहायता अनुदान :

इस वित्तीय वर्ष में 31.12.2016 तक सरकार के माध्यम से व अन्य स्तरों से नगर निगम को प्राप्त अनुदान राशि का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :-

			राशि **(रूपये)**
1	निदेशक, शहरी विकास विभाग हि0 प्र0 के माध्यम से :-		
	i)	सड़कों के रख-रखाव हेतू	97.35 लाख
	ii)	14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अनुदान सहायता	625.32 लाख
	iii)	चतुर्थ राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप अनुदान सहायता	2365.83 लाख
	iv)	एन. यू. एल. एम. के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान धनराशि	6.00 लाख
	v)	स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान	27.32 लाख
	vi)	सम्पति निर्माण हेतु अनुदान राशि	450.00 लाख
	vii)	सीवरेज स्कीम हेतु अनुदान प्राप्त राशि	91.00 लाख
2	विधायक निधि (MLALAD/VKVNY) के अन्तर्गत प्राप्त राशि		7.25 लाख
3	सांसद निधि के अन्तर्गत प्राप्त राशि		48.60 लाख
4	अन्य विभागों के माध्यम सेः-		
	i)	BDO, Mashobra से Ambulance Road from NH-22 to Ban Chowki Ghonoti Ghorkhu Lodge Kasu हेतू प्राप्त अनुदान	1.50 लाख
	ii)	Indira Gandhi Medical College & Hospital शिमला से संजौली टैंक से कमला नेहरू अस्पताल तक पानी की लाईन बिछाने हेतू प्राप्त अनुदान	25.68 लाख
	iii)	Himurja से Development of Shimla as Solar City के लिए प्राप्त धनराशि	1.01 लाख
	iv)	CPRI Shimla से Improvement of 40mm dia GI water supply line Shiv Puri Tank to CPRI Residence Colony, Kanlog, Shimla लिए प्राप्त धनराशि	4.61 लाख

	v)	एस0 जे0 वी0 एन0 एल0 से Installation of Monumental Flag at The Ridge, Shimla लगाने हेतू प्राप्त राशि	4.00 लाख
	vi)	एस0 जे0 वी0 एन0 एल0 से रानी पार्क के निर्माण हेतू प्राप्त राशि	25.81 लाख
	vii)	एस0 जे0 वी0 एन0 एल0 से Construction/ Improvement of Link Road from NH-22 to Village Shanan under CRR initiative हेतू प्राप्त राशि	63.14 लाख
	viii)	पर्यटन विभाग से Installation of High Mast Light at Kasumpti Bazar, Shimla & Dhalli Tunnel, Shimla हेतू प्राप्त अनुदान	10.00 लाख
	ix)	पर्यटन विभाग से Installation of High Mast Light at Totu, Shimla हेतू प्राप्त अनुदान	7.75 लाख
	x)	पर्यटन विभाग से Construction of Book-Caffee with e-toilet facility at Taka Bench हेतू प्राप्त अनुदान	25.00 लाख
5	यूरोपियन यूनियन प्रोजैक्ट के अन्तर्गत अनुदान :-		28.11 लाख
6	ICLEI-SA Small Grants Fund under ACCCRN for Rejuvenationg the traditional water source to augment water security के अन्तर्गत अनुदान :-		9.60 लाख
7	अमरूत मिशन के अर्न्तगत विभिन्न विकासात्मक कार्यो हेतू प्राप्त अनुदान		1772.67 लाख
कुल प्राप्त अनुदान राशि रूपये -			5697.55 लाख

15. विकासात्मक गतिविधियों के लिए बजट अनुमानों का विवरण :

(राशि रूपये लाखों में)

क्रम सं0	विवरण	राजस्व (रख-रखाव)	पुंजीगत (निर्माण)	क्ल
1	सड़कों, रेलिंग, डंगों, सीढ़ियों, रास्तों इत्यादि के रख-रखाव व निर्माण कार्यो के लिए	1200.00	1266.23	2466.23
2	स्ट्रोट लाईट लगाने/रख-रखाव के लिए	0	100.00	100.00
3	भवनों, आवासों के रख-रखाव/निर्माण व सब्जी मण्डी शांपिंग कम्पलैक्स के निर्माण के लिए	170.00	945.00	1115.00
4	पार्किंग का रख-रखाव व निर्माण के लिए	10.00	1442.50	1452.50
5	नालो की चैनेलाईजेशन/मुरम्मत/निर्माण	50.00	90.00	140.00
6	पानी की लाईनों के रख-रखाव व अतिरिक्त लाईनें बिछाने के लिए	1015.00	2860.00	3875.00
7	सिवरेज लाईनां के रख-रखाव अतिरिक्त लाईनें बिछाने के लिए	120.00	2151.00	2271.00
8	शौचालय के रख-रखाव/निर्माण के लिए	150.00	100.00	250.00
9	पार्क/प्ल ग्राउण्ड इत्यादि विकसित करने के लिए	20.00	335.19	355.19
10	लेबर होस्टल की मुरम्मत/रख-रखाव के लिए	0.00	400.00	400.00
11	शहर में डम्पिंग स्थान (Sanitary landfill sites)विकसित करने के लिए	0.00	200.00	200.00
12	सौलिड बेस्ट मैनेजमैन्ट हेतू	470.00	0.00	470.00
13	बार्ड कमेटियों की अनुशंसा पर बार्डो में नागरिक सुविधाओं के रख-रखाव एवं निर्माण कार्यों के लिए	850.00	0.00	850.00
14	(Development of Sanitary landfill sites) विकसित करने के लिए	0.00	289.00	289.00
15	राजीव आवास योजना के अन्तर्गत आवासों का निमाण	0.00	1000.00	1000.00
16	Rehabitation of Street Vendors	0.00	100.00	100.00
17	विश्व बैंक द्वारा परियोजना प्रस्ताव निधि विकास कार्यों के अन्तर्गत अनुदान राशि (GSWS & SC)	0.00	1500.00	1500.00

कुल योग :-	4055.00	12778.92	16833.92

16. नगर निगम शिमला के वर्ष 2017-18 के बजट अनुमान :

नगर निगम शिमला के वर्ष 2016-17 के संशोधित एवं आगामी वित्त वर्ष 2017-18 के बजट अनुमानों का मुख्य शीर्ष-बार विवरण निम्नानुसार है :-

(Rs. in lakhs)

Major Account Head Code	Actual for the previous year 2015-16	Budget Estimates for the year 2016-17	Actual of First Nine Month for current year 2016-17	Revised Estimates for the current year 2016-17	Budget Estimates for the next year 2017-18
1	2	3	4	5	6
1. राजस्व आय					
110- Tax Revenue	**2204.10**	**1502.88**	**1225.57**	**1502.88**	**1702.88**
मुख्य शीर्ष 110-सम्पत्ति कर के अन्तर्गत चालू वित्त वर्ष में यूनिट एरिया मैथड पर वित्त वर्ष 2015-16 की मांग सहित प्राप्त कर राशि की अपेक्षा आगामी वित्त वर्ष 2017-18 में सम्पत्ति करों से 1702.88 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
120- Assigned Revenues and Compensation	**2518.18**	**2672.26**	**2504.89**	**2580.67**	**2614.00**
मुख्य शीर्ष 120- Assigned Revenues & Compensation के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 2614.00 लाख, बिजली की खपत पर फीस से 150.00 लाख व शराब की बिक्री पर फीस से 64.00 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
130- Rental Income- Municipal Properties	**224.59**	**601.50**	**172.86**	**407.90**	**745.10**
मुख्य शीर्ष 130- निगम की दुकानों/स्टालों आदि से किराए, लीज राशि, PPP आधार पर निर्मित पार्किंग से फीस के रूप में आगामी वित्त वर्ष में 745.10 लाख रूपये की प्राप्ति का अनुमान है।					
140- Fees & User Charges	**2770.09**	**4543.88**	**2507.74**	**3442.05**	**6662.90**
मुख्य शीर्ष 140- फीस एण्ड यूजर चार्जिज के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में पानी के घरेलू/व्यवसायिक कुनैक्शनों पर Water Charges से 2200.00 लाख, सीवरेज यूजर चार्जिज से 500.00 लाख, Compounding फोस से 2000.00 लाख, ग्रीन फीस से 1200.00 लाख, केवल ऑपरेटरज से प्रति केवल कनैक्शन चार्जिज वसूलने से 6.00 लाख, पार्किंग फीस से 100.00 लाख, विज्ञापन एवं होर्डिगं चार्जिज से 150.00 लाख, डम्पिंग साईट चार्जिज से 50.00 लाख, रोड डैमेज चार्जिज से 150.00 लाख व अन्य फीस एवं यूजर चार्जिज से 306.90 लाख रूपये अर्थात इस मद में कुल राशि रूपये 6662.90 लाख की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
150- Sale & Hire Charges	**8.92**	**20.80**	**13.46**	**14.74**	**35.30**

इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में टैण्डर फार्म/अन्य फार्म आदि की बिक्री व स्टोर में पडे स्क्रैप की नीलामी स 35.30 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
160- Revenue Grant, Contributions & Subsidies	**163.07**	**75.00**	**1413.28**	**4425.63**	**10430.80**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत मुख्यतः केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से निगम द्वारा केन्द्र सरकार की कालोनियों में नियुक्त सफाई स्टाफ के वेतन की प्रतिपूर्ति, स्मार्ट सिटी, ग्रेटर शिमला वाटर सप्लाई व सीवरेज़ सर्कल के अन्तर्गत प्राप्त अनुदान राशि आदि के रूप में आगामी वित्त वर्ष में 10430.80 लाख रूपये की प्राप्ति का अनुमान है।					
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
170- Income from Investments	**107.76**	**100.00**	**145.74**	**150.00**	**100.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत निगम निधि से समय-समय पर बैंकों में निवेशित राशि पर ब्याज से आगामी वित्त वर्ष में 100.00 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
171- Interest Earned	**73.25**	**26.63**	**47.24**	**53.92**	**35.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत करों व किराए की बकाया राशि पर ब्याज और बैंक बचत खातों में जमा राशि आदि पर ब्याज से आगामी वित्त वर्ष में 35.00 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
180- Other Income	**29.78**	**22.50**	**22.57**	**23.25**	**22.50**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत रिज, माल रोड़, निगम पार्कों व अन्य स्थानों पर व्यवसायिक फर्मों द्वारा अपने उत्पाद की पब्लिसिटी व फिल्म शूटिंग आदि की अनुमति प्रदान करने से आगामी वित्त वर्ष में 22.50 लाख रूपये की आय प्राप्ति का अनुमान है।					
योग राजस्व आय (1)	**8099.74**	**9565.45**	**8053.35**	**12601.04**	**22348.48**
उपरोक्त विवर्णानुसार आगामी वित्त वर्ष में राजस्व आय के अन्तर्गत निगम की कुल आय 22348.48 लाख रूपये अनुमानित है।					
2. पूँजीगत आय					
320- Grants, Contributions for Specific purposes	**4517.78**	**8131.15**	**3498.69**	**5502.82**	**12818.79**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में केन्द्र सरकार, प्रदेश सरकार तथा अन्य संस्थाओं से मुख्यतः AMRUT के अन्तर्गत 7138.49 लाख, 14वें वित्त आयोग की सिफारिशों के अन्तर्गत 625.00 लाख, Maintenance of ULB roads के अन्तर्गत 150.00 लाख, MPLAD/MLALAD/ 5% DCP से 61.00 लाख, आपदा राहत के अन्तर्गत 150.00 लाख, एन0 यू0 एल0 एम0 के अन्तर्गत 64.00 लाख, स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत 30.00 लाख, राजीव आवास योजना के अन्तर्गत 1000.00 लाख रूपये, निदेशक शहरी विकास, हि0 प्र0 सरकार से सम्पति निर्माण हेतु राशि 1000.00 लाख रूपये, सीवरेज़ स्कीम हेतु राशि 100.00 लाख रूपये, SJVNL द्वारा रानी पार्क/सड़क निर्माण हेतु राशि 250.00 लाख रूपये, पर्यटन विभाग से राशि 100.00 लाख रूपये, ग्रेटर शिमला वाटर सप्लाई व सीवरेज़ सर्कल को विश्व बैंक के अन्तर्गत परियोजना प्रस्ताव निधि की (GSWS&SC) अनुदान राशि 1500.00 लाख रूपये व अन्य स्कोमों के अन्तर्गत 650.30 लाख रूपये					

सहायता प्राप्ति का अनुमान है ।					
330- Secured Loans	**0.00**	**200.00**	**0.00**	**0.00**	**5000.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में सब्जी मण्डी में शॉपिंग कम्पलैक्स के निर्माण हेतू व स्मार्ट सिटी निर्माण हेतु राशि 5000.00 लाख रूपये वित्तीय संस्थानों से ऋण लेने की प्रस्तावना है ।					
योग पूँजीगत आय (2)	**4525.78**	**8631.15**	**3498.69**	**5502.82**	**17818.79**
उपरोक्त विवर्णानुसार आगामी वित्त वर्ष में पूँजीगत आय के अन्तर्गत निगम की अनुदान आदि से आय/प्राप्ति 17818.79 लाख रूपये अनुमानित है ।					
कुल आय (1+2)	**12625.52**	**18196.60**	**11552.04**	**18103.86**	**40167.27**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
3. राजस्व व्यय					
210- Establishment Expenses	**5013.63**	**5719.63**	**3902.84**	**6306.66**	**9551.22**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत निगम के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारियों/ कर्मचारियों के वतन एवं भत्तों, पैन्शन अंशदान, सी.पी.एस. अंशदान, ई.पी.एफ. अंशदान, सेवानिवृति से सम्बन्धित अन्य लाभ की अदायगी हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए राशि 9536.22 लाख रूपये, सेवानिवृत कर्मचारियों की पैन्शन के भुगतान हेतू राशि रूपये 1000.00 लाख रूपये Pension Deficit Contribution तथा नगर निगम शिमला में कार्यरत कर्मचारियों को बोनस प्रदान करने हेतु राशि 15.00 लाख रूपये का अतिरिक्त प्रावधान के रूप में रखा गया है ।					
220- Administrative Expenses	**294.42**	**667.18**	**217.12**	**304.48**	**292.68**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष के लिए कार्यालय रख-रखाव, बिजली, टैलीफोन, लेखन-सामग्री, फर्नीचर, कम्पयूटर, निगम वाहनों का बीमा, हल्के वाहनों के लिए इन्धन, विज्ञापन, कन्सल्टैन्सी चार्जिज आदि के प्रशासनिक व्यय हेतू राशि 267.85 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है । इस शीर्ष के अन्तर्गत ग्रेटर शिमला वाटर सप्लाई व सीवरेज़ सर्कल व ICLEI-SA से स्वीकृत प्रोजैक्ट की गतिविधियों से सम्बन्धित व्यय राशि 24.83 लाख रूपये का व्यय भी सम्मिलित है ।					
230- Operations and Maintenance	**1330.57**	**4813.00**	**2702.78**	**6485.83**	**10586.50**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत निगम की ढाँचागत परिसम्पत्तियों के रख-रखाव, आवश्यक नागरिक सुविधाओं व अन्य रख-रखाव के कार्यों हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए 10586.50 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है ।					
240-Interest and Finance Charges	**0.01**	**0.10**	**0.00**	**0.00**	**0.10**
इस मुख्य शार्ष के अन्तर्गत Interest & Finance Charges हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए राशि 0.10 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है ।					

250- Program Expenses	**3.60**	**8.00**	**0.17**	**2.00**	**4.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत Program Expenses हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए राशि 4.00 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है।					
260- Revenue Grants, Contributions and Subsidies	**22.85**	**81.52**	**17.68**	**63.84**	**264.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष में राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (NULM) के अन्तर्गत से शहरी गरीबों के उत्थान हेतू कार्यक्रमों पर 64.00 लाख रूपये व स्मार्ट सिटी हेतु प्रस्तावित अनुदान राशि 200.00 लाख रूपये के व्यय का प्रावधान रखा गया है।					
280- Prior Period Item	**20.76**	**2.00**	**0.00**	**0.00**	**2.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत Prior Period Expenses हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए 2.00 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है।					
योग राजस्व व्यय (3)	**6685.84**	**11291.43**	**6840.59**	**13162.81**	**20700.50**
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
4. पूँजीगत व्यय					
410- Fixed Assets	**681.07**	**2816.50**	**949.61**	**1152.31**	**11924.27**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत आगामी वित्त वर्ष के लिए AMRUT के अन्तर्गत स्वीकृत स्कीमों के कार्यान्वयन, निगम के भवनों, पार्किंग, सडकों, नाले-नालियों के निर्माण, जल वितरण एवं सीवरेज लाईनें बिछाने, स्ट्रीट लाईट लगवाने, कार्यालय प्रयोग हेतू फर्नीचर-फिक्सचर एवं अन्य सामग्री की खरीद हेतू आगामी वित्त वर्ष के लिए राशि 11074.27 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है जिसमें बार्ड कमेटियों की अनुसंशा पर प्रस्तावित आवश्यक नागरिक सुविधाओं से सम्बन्धित रख-रखाव और निर्माण कार्यों के लिए राशि 850.00 लाख रूपये का व्यय भी सम्मिलित है।					
412- Capital Work in Progress	**4328.57**	**7109.59**	**393.60**	**1502.76**	**2889.00**
इस मुख्य शीर्ष में Rehabitation of Street Vendors C/O Sanitary Landfill Sites at Bharyal, राजीव आवास योजना व विश्व बैंक के अन्तर्गत परियोजना प्रस्ताव निधि (GSWS & SC) हेतु प्रगति कार्यों के लिए राशि 2889.00 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है।					
430- Stock in hand (Store Purchase)	**26.95**	**300.00**	**8.78**	**35.00**	**200.00**
इस मुख्य शीर्ष के अन्तर्गत निर्माण सामग्री आदि की खरीद हेतू भण्डार के लिए आगामी वित्त वर्ष के लिए राशि 200.00 लाख रूपये का प्रावधान रखा गया है।					
योग पूँजीगत व्यय (4)	**5036.59**	**10226.09**	**1351.99**	**2690.07**	**15013.27**
उपरोक्त विवर्णानुसार आगामी वित्त वर्ष में निगम का पूँजीगत व्यय 15013.27 लाख रूपये अनुमानित है।					
कुल योग (3+4)	**11722.43**	**21517.52**	**8192.58**	**15852.88**	**35713.77**
	903.09	**-3320.92**	**3359.46**	**2250.98**	**4453.50**

अतः आगामी वित्त वष के बजट अनुमानों में राशि 4453.50 लाख रूपये का व्यय आय से कम प्रस्तावित किया गया है। वित्त वर्ष 2016-17 की इतिशेष (Closing Balance) मु0 11584.62 लाख रूपये (BUD-3, Col.-5) अगले वित्त वर्ष 2017-18 के लिए आरम्भिक शेष, (Opening Balance) के रूप में विद्यमान है, जिसका वहन तदानुसार आय-व्यय को दृष्टिगत रखते हुए किया जाएगा।

माननीय सदस्यगण मैने अपने बजट भाषण में नगर निगम की उपलब्धियों, विकास कार्यो, समस्याओं व सुझाव इत्यादि का वर्णन करने का प्रयास किया है तथा आगामी वित्त वर्ष के लिये बजट में रखी गई प्रस्तावित राशि का भी वर्णन किया है इन सब बिन्दुओं पर विचार–विमर्श करना आवश्यक है।

मैं निगम के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मजदूरवर्ग के कार्य व सहयोग के लिए भी धन्यवाद करना चाहूॅगा, जिन्होंने अपनी लग्न, मेहनत व ईमानदारी से शहरवासियों को मूलभूत सुविधाऐं जुटाने में भरसक प्रयास किये है। हमें शहर की जनता से भी सुझाव व सहयोग मिलता रहा है उसके लिए भी मैं अपनी व निगम की ओर से शहरवासियों का आभार प्रकट करता हूॅ।

अन्त में, मैं अपने समस्त सहयोगी पाषर्दो का धन्यवाद करना चाहूॅगा कि जिस प्रकार से निगम में नीति निर्धारण, विकास कार्य करवाने, लोगों की समस्याओं को हल करने इत्यादि में जो आज तक अपना सहयोग दिया है और इस ऐतिहासिक शिमला शहर का चहुमुखी विकास करने व इसका ऐतिहासिक गौरव बनाये रखने में प्रयास किए।

अतः इन शब्दों के साथ मैं मान्य सदन से वर्ष 2017–18 के बजट पर विचार–विमर्श करने हेतु अनुरोध करता हूँ।

धन्यवाद।

22 फरवरी, 2017

(संजय चौहान)
महापौर
नगर निगम शिमला